विद्या सर्वार्थि साधिका

# आनंदालय

## सामयिक परीक्षा - 1

कक्षा : बारहवीं

विषय : हिंदी (**302**) अधिकतम अंक : 40

दिनांक :-**19/07/**2024 समय : **1** घंटा 30 मिनट

सामान्य निर्देश:- 1. यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभाजित है - 'क','ख' और 'ग'

2. प्रश्न पत्र में कुल ग्यारह प्रश्न हैं |
3. प्रश्नोत्तर क्रमशः लिखे जाने चाहिए |
4. बहुविकल्पीय प्रश्नों की क्रम संख्या व चयनित उत्तर पूर्ण व स्पष्ट रूप से लिखना आवश्यक है |
5. लिखावट सुंदर और स्पष्ट होनी चाहिए |

**<u>खंड - 'क'</u> (अपठित बोध)**

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए **:-**

परिश्रम कल्पवृक्ष है। जीवन की कोई भी अभिलाषा परिश्रम रूपी कल्पवृक्ष से पूर्ण हो सकती है। परिश्रम जीवन का आधार है, उज्ज्वल भविष्य का जनक और सफलता की कुँजी है। सृष्टि के आदि से अद्यतन काल तक विकसित सभ्यता और सर्वत्र परिश्रम का परिणाम है। आज से लगभग पचास साल पहले कौन कल्पना कर सकता था कि मनुष्य एक दिन चाँद पर कदम रखेगा या अंतरिक्ष में विचरण करेगा पर निरंतर श्रम की बदौलत मनुष्य ने उन कल्पनाओं एवं संभावनाओं को साकार कर दिखाया है। मात्र हाथ पर हाथ धरकर बैठे रहने से कदापि संभव नहीं होता। किसी राष्ट्र अथवा जाति को उस देश के भौतिक संसाधन तब तक समृद्ध नहीं बना सकते जब तक कि वहाँ के निवासी उन संसाधनों का दोहन करने के लिए अथक परिश्रम नहीं करते। किसी भूभाग की मिट्टी कितनी भी उपजाऊ क्यों न हो, जब तक विधिवत परिश्रमपूर्वक उसमें जुताई, बुआई, सिंचाई, निराई-गुड़ाई नहीं होगी, अच्छी फ़सल प्राप्त नहीं हो सकती। किसी किसान को कृषि संबंधी अत्याधुनिक कितनी ही सुविधाएँ उपलब्ध करा दीजिए, यदि उसके उपयोग में लाने के लिए समुचित श्रम नहीं होगा, उत्पादन क्षमता में वृद्धि संभव नहीं है। परिश्रम से रेगिस्तान भी अन्न उगलने लगते हैं हमारे देश की स्वतंत्रता के पश्चात हमारी प्रगति की द्रुतगति भी हमारे श्रम का ही फल है। भाखड़ा नांगल का विशाल बाँध हो या युबा या श्री हरिकोटा के रॉकेट प्रक्षेपण केंद्र, हरित क्रांति की सफलता हो या कोविड 19 की रोकथाम के लिए टीका तैयार करना, प्रत्येक सफलता हमारे श्रम का परिणाम है तथा प्रमाण भी है। जीवन में सुख की अभिलाषा सभी को रहती है। बिना श्रम किए भौतिक साधनों को जुटाकर जो सुख प्राप्त करने के भ्रम में है, वह अंधकार में हैं। उसे वास्तविक और स्थायी शांति नहीं मिलती। गांधीजी तो कहते थे कि जो बिना श्रम किए भोजन ग्रहण करता है, वह चोरी का अन्न खाता है। ऐसी सफलता मन को शांति देने के बजाए उसे व्यथित करेगी। परिश्रम से दूर रहकर और सुखमय जीवन व्यतीत करने वाले विद्यार्थी को ज्ञान कैसे प्राप्त होगा**?** हवाई किले तो सहज ही बन जाते हैं, लेकिन वे हवा के हल्के झोंके से ढह जाते हैं। मन में मधुर कल्पनाओं के संजोने मात्र से किसी कार्य की सिद्धि नहीं होती। कार्य सिद्धि के लिए उद्यम और सतत उद्यम आवश्यक है। तुलसीदास ने सत्य ही कहा है- **"**सकल पदारथ एहि जग माहीं। करमहीन नर पावत नाहीं।**"** अर्थात इस दुनिया में सारी चीजें हासिल की जा सकती हैं लेकिन वे कर्महीन व्यक्ति को कभी नहीं मिलती हैं। अगर आप भविष्य में सफलता की फसल काटना चाहते हैं, तो आपको उसके लिए बीज आज ही बोने होंगे. आज बीज नहीं बोयेंगे, तो भविष्य में फ़सल काटने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं**?** पूरा संसार कर्म और फल के सिद्धांत पर चलता है इसलिए कर्म की तरफ आगे बढ़ना होगा। यदि सही मायनों में सफल होना चाहते हैं तो कर्म में जुट जाएँ और तब तक जुटे रहें जब तक कि सफल न हो जाएँ। अपना एक-एक मिनट अपने लक्ष्य को समर्पित कर दें। काम में जुटने से आपको हर वस्तु मिलेगी जो आप पाना चाहते हैं- सफलता, सम्मान, धन, सुख या

जो भी आप चाहते हों।

(i) गद्यांश में परिश्रम को कल्पवृक्ष के समान बताया गया है क्योंकि इससे - (1)

**(क)** भौतिक संसाधन जुटाए जाते हैं

**(ख)** परिश्रमी व्यक्ति वृक्ष के समान परोपकारी होता है

**(ग)** इच्छा दमन करने का बल प्राप्त होता है

**(घ)** व्यक्ति की इच्छाओं की पूर्ण पूर्ति संभव है

(ii) गद्यांश में अच्छी फ़सल प्राप्त करने के लिए कहे गए कथन से स्पष्ट होता है कि- (1)

**(क)** भौतिक संसाधनों का दोहन करना आवश्यक है

**(ख)** संसाधनों की तुलना में परिश्रम की भूमिका अधिक है

**(ग)** ज्ञान प्राप्त करने के लिए परिश्रम आवश्यक है

**(घ)** कष्ट करने से ही कृष्ण मिलते हैं

(iii) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए | (1)

(iv) हवाई किले तो सहज ही बन जाते हैं, लेकिन ये हवा के हल्के झोंके से ढह जाते हैं।" गद्यांश के आधार पर सोदाहरण उत्तर लिखिए | (2)

2. दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए:- (5**x1**=5)

मैंने हँसना सीखा है
मैं नहीं जानती रोना।
बरसा करता पल-पल
मेरे जीवन में सोना।
मैं अब तक जान न पाई
कैसी होती है पीड़ा ?
हँस-हँस जीवन में कैसे
करती है चिंता क्रीड़ा?
जग है असार सुनती हूँ

मुझको सुख-सार दिखाता।
मेरी आँखों के आगे
सुख का सागर लहराता।
पर कहते हैं होती जाती
खाली जीवन की प्याली।
पर मैं उसमें पाती हूँ
प्रतिपल मदिरा मतवाली।
उत्साह, उमंग निरंतर
रहते मेरे जीवन में।
उल्लास विजय का सता

मेरे मतवाले मन में।
आशा आलोकित करती
मेरे जीवन के प्रतिक्षण।
हैं स्वर्ण-सूत्र से वलयित
मेरी असफलता के घन।
सुख भरे सुनहरे बादल
रहते हैं मुझको बादल घेरे।
विश्वास, प्रेम, साहस हैं
जीवन के साथी मेरे।।

(i) असफलता के बादलों को कवयित्री ने किससे घेरकर रखा है ? (1)

**(क)** असफलता के बादलों को सोने की छड़ी से घेरकर रखा है।

**(ख)** कवयित्री सफलता में भी असफलता की आशा से भरी रहती है।

**(ग)** कवयित्री ने असफलता के बादलों को सोने के सूत्र से घेरकर रखा है।

**(घ)** बादल के बरसने पर निकलने वाली बूँदों से क्योंकि इनसे नव सृजन होता है।

(ii) कवयित्री द्वारा विश्वास, प्रेम और साहस को अपना जीवन साथी बनाकर रखने का यह निष्कर्ष निकालता है कि - (1)

**(क)** अनुकूल परिस्थितियाँ सदैव वश में नहीं रह सकती।

**(ख)** विपरीत परिस्थितियों में भी आशा का दामन नहीं छोड़ना चाहिए।

**(ग)** जीवन में हितकारी साथी सदैव साथ होने चाहिए।

**(घ)** प्रेम, विश्वास व साहस की डोर सदैव लंबी होती है।

(iii) 'मुझको सुख-सार दिखाता' कवयित्री को यह अनुभूति कब होती है और क्यों? (1)

## <u>खंड - 'ख'</u> (अभिव्यक्ति और माध्यम)

3. निम्नलिखित अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में लेखन कीजिए- (4)

**(i)** आप सोचिए आप तिलचट्टा हैं

**(ii)** दिव्य शक्तियाँ और मैं

**(iii)** समुद्र किनारे आप और आप की यादें

4. निम्नलिखित तीन में से दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में लिखिए - (3x2=6)

**(i)** रेडियो और टी.वी. समाचार लेखन में बुनियादी अंतर क्या है ?

**(ii)** पत्रकारीय लेखन क्या है**?**

**(iii)** अपने विद्यालय और मुहल्ले के आसपास की समस्याओं पर नज़र डालें। जैसे - पानी की कमी, बिजली की कटौती, खराब सड़कें, सफाई की दुर्व्यवस्था। इनमें से किन्हीं एक विषय पर रिपोर्ट तैयार कीजिए |

**<u>खंड - 'ग'</u> (साहित्य)**

5. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए **:-**

है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता, सुख-दुःख दोनों में मग्न रहा करता हूँ;
मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ! जग भव-सागर तरने को नाव बनाए,
जला हृदय में अग्नि, दहा करता हूँ, मैं भव मौजों पर मस्त बहा करता हूँ!

**(i)** कवि के स्वप्नों का संसार है - (**1**)

(क) यथार्थ (ख) आदर्श (ग) स्वप्निल (घ) सुखी

**(ii)** निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए- (**1**)

कथन (**A**) **:** यथार्थ यथार्थ को स्वीकार नहीं करने से कवि के स्वप्न अधूरे रह गए हैं |

कारण (**R**) **:** कल्पना और वास्तविकता में सामंजस्य की कमी होने से कवि को संसार अधुरा होता है |

(क) कथन (**A**) सही है, कारण **(R)** गलत है |

(ख) कथन (**A**) सही नहीं है, कारण **(R)** सही है|

(ग) कथन (**A**) तथा कारण **(R)** दोनों सही है, किंतु कारण **(R)** उसकी सही व्याख्या नहीं करता

(घ) कथन (**A**) सही है तथा कारण **(R)** दोनों कारण **(R)** दोनों सही है, कारण **(R)** कथन की सही व्याख्या करता है |

**(iii)** काव्यांश में कवि का 'उर' से क्या तात्पर्य है? (2x1)

6. निम्नलिखित दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 60 शब्दों में लिखिए **:-**

**(i)** दिन जल्दी-जल्दी ढलता है (एक गीत)' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

**(ii)** कवि सुख और दुख-दोनों स्थितियों में मग्न कैसे रह पाता है**?**

7. निम्नलिखित दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40 शब्दों में लिखिए **:-** (2x1)

**(i)** आत्मपरिचय' कविता में कवि ने अपने जीवन में किन परस्पर विरोधी बातों का सामंजस्य बिठाने की बात की है**?**

**(ii)** दिन का थका पंथी कैसे जल्दी-जल्दी चलता है**?**

8. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ाकर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए **:-** (5**x1**=5)

दूसरे दिन तड़के ही सिर पर कई लोटे औंधाकर उसने मेरी धुली धोती जल के छींटों से पवित्र कर पहनी और पूर्व के अंधकार और मेरी दीवार से फूटते हुए सूर्य और पीपल का दो लोटे जल से अभिनंदन किया। दो मिनट नाक दबाकर जप करने के उपरांत जब वह कोयले की मोटी रेखा से अपने साम्राज्य की सीमा निश्चित कर चौके में

प्रतिष्ठित हुई, तब मैंने समझ लिया कि इस सेवक का साथ टेढ़ी खीर है। अपने भोजन के संबंध में नितांत वीतरेग होने पर भी मैं पाक-विद्या के लिए परिवार में प्रख्यात हूँ और कोई भी पाक-कुशल दूसरे के काम में नुक्ताचीनी किए बिना रह नहीं सकता। पर जब छूत-पाक पर प्राण देने वाले व्यक्तियों का बात-बात पर भूखा मरना स्मरण हो आया और भक्तिन की शंकाकुल दृष्टि में छिपे हुए निषेध का अनुभव किया, तब कोयले की रेखा मेरे लिए लक्ष्मण के धनुष से खींची हुई रेखा के सामने दुलध्य हो उठी। निरुपाय अपने कमरे में बिछौने में पड़कर नाक के ऊपर खुली हुई पुस्तक स्थापित कर मैं चौके में पीढ़े पर आसीन अनाधिकारी को भूलने का प्रयास करने लगी। ।

**(i)** नौकरी मिलने के दूसरे दिन भक्तिन ने क्या काम किया**?**

(क) स्नान कर धुली हुई धोती पहन कर पूजा किया

(ख) स्नान कर केवल धुली हुई धोती पहनली

(ग) स्नान कर धुली हुई धोती पर जल से छींटा मारा

(घ) स्नान कर धुली हुई धोती को झटकारा

**(ii)** लेखिका को भक्तिन से निपटना टेढ़ी खीर क्यों लगा**?**

(क) लेखिका को पता था कि भक्तिन जैसे गँवार स्त्रियाँ किसी काम की नहीं होती ।

(ख) लेखिका को पता था कि भक्तिन जैसे लोग पक्के इरादों के होते हैं।

(ग) महादेवी को पता था कि भक्तिन अनपढ़ और नाकाबिल है |

(घ) लेखिका को पता था कि भक्तिन जैसे लालची होते हैं।

**(iii)** लेखिका के लिए कोयले की रेखा लक्ष्मण रेखा कैसे बन गई**?**

(क) महादेवी वर्मा का प्रवेश भी वर्जित था, इसलिए वे उससे बहस करती थी |

(ख) महादेवी वर्मा का प्रवेश भी वर्जित था, इसलिए वे प्रसन्न थी |

(ग) महादेवी वर्मा का प्रवेश भी वर्जित था, इसलिए वे प्रसन्न नहीं थी |

(घ) स्वयं लेखिका का प्रवेश भी वर्जित था, इसलिए वे लक्ष्मण रेखा मानती थीं |

**(iv)** अनाधिकारी को भूलने से लेखिका का क्या अभिप्राय है**?**

(क) लेखिका को लगा कि शायद उसने किसी अनाधिकारी को नियुक्त कर दिया,किंतु अब कोई उपाय न था।

(ख) लेखिका को लगा कि उसे भूलने में ही भलाई है ।

(ग) महादेवी को लगा कि उनसे बड़ी भूल हो गई, इसे हटा दें ।

(घ) लेखिका को लगा कि नेक इनसान की मैंने नियुक्ति की है ।

**(v)** भक्तिन का असली नाम था **-**

(क) सरस्वती (ख) देवदासी (ग) लक्ष्मी (घ) राधा

9. निम्नलिखित दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 60 शब्दों में लिखिए **-** (3)

(i) बाज़ार का जादू क्या है **?** उसके चढ़ने-उतरने का मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है **?** 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

(ii) 'बाज़ार दर्शन' के लेखक ने भगत जी का उदाहरण क्यों दिया है**?** स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित दो प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40 शब्दों में लिखिए **:-** (2)

(i) महादेवी वर्मा और भक्तिन के संबंधों की तीन विशिष्टताओं का उल्लेख कीजिए।

(ii) भक्तिन की बेटी के मानवाधिकारों का हनन पंचायत ने किस प्रकार किया**?** स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :- (4)

(i) छोकरा चड्ढा यशोधर बाबू से किस प्रकार की धृष्टता करता था **?**

(ii) यशोधर बाबू की पत्नी ने मॉडर्न बनने के पीछे क्या तर्क दिए थे **?**